14. बाड़मेर

Date ___/___/_____ Page No.: _____

→ उपनाम:- जीमाल, मालाणी, शिवकूप, किरातकूप
→ स्थापना:- परमार राजा धरणीधर के पुत्र बाउराव ने

→ राज० में सर्वाधिक जनसंख्या वृद्धि वाला जिला बाड़मेर है।
→ राज० का पहला फिरत लिग्नाइट आर्मल पावर प्रोजेक्ट बाड़मेर में
→ राज्य का पहला लिग्नाइट आधारित बिजली घर
→ वर्तमान में राज्य का सर्वाधिक तेल उत्पादक तेल के कुएं गंगला, बाड़मेर
→ रेडक्लिफ रेखा का अन्तिम छोर शाहगढ़ (बाड़मेर) है।
→ अनुप्रस्थ बालूका स्तूपों का सर्वाधिक विस्तार
→ भारत व राजस्थान का सबसे बड़ा संसदीय क्षेत्र "बाड़मेर-जैसलमेर लोकसभा क्षेत्र" है।
→ भारतीय अनुसंधान एवं परीक्षण केन्द्र पंचपदरा बाड़मेर में
→ पत्थर मार होली बाड़मेर में खेली जाती है।
→ राज० में सर्वाधिक शुद्ध नमक बाड़मेर की पंचपदरा झील से उत्पादित
→ राज० का क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा राष्ट्रीय मरू उद्यान बाड़मेर
→ राज० में सर्वाधिक गेंदे चौहटन (बाड़मेर) में
→ राज० में सर्वाधिक तेल के भण्डार बाड़मेर में
→ बाड़मेर जिले के श्री महावीर जी में लट्ठ मार होली खेली जाती है।
→ थार महोत्सव बाड़मेर जिले में मनाया जाता है।
→ पाकिस्तान से आने वाली थार एक्सप्रेस ट्रेन का राजस्थान में पहला स्टेशन मुनाबाव (बाड़मेर) में है।
→ राज० में सर्वाधिक बाजरे का उत्पादन बाड़मेर में
→ राज० में सर्वाधिक पशुधन बाड़मेर में
→ आसोतरा (बाड़मेर) में द्वितीय ब्रह्म मंदिर स्थित है।
→ राज० में सर्वाधिक भेड़, बकरी, भेड़ व ऊंट बाड़मेर में।

किराडू:-
→ किराडू को राजस्थान का खजुराहो कहा जाता है।
→ किराडू का प्राचीन नाम किरात कूप था।

विभिन्न मेले एवं पैदल यात्रा:-
→ भील जनजाति का कुलगुरु

www.resultuniraj.co.in

सिवाणा का दुर्ग :-
→ बाड़मेर जिले के पूर्व में छप्पन की पहाड़ियों पर सिवाणा
→ इस दुर्ग का निर्माण राजा भोज के पुत्र वीरनारायण ने।
→ इस दुर्ग को मारवाड़ के शासकों की संकटकालीन शरणस्थ
कहा जाता है।
मल्लीनाथ का मंदिर :-
→ यहाँ पर मल्लीनाथ पशु मेला भरता है।
→ इस मेले को तिलवाड़ा पशुमेला भी कहते हैं।
नागणेची माता का मंदिर :-
→ पंचपदरा के समीप नागाणा नामक गाँव में।
→ नागणेची माता का एक मंदिर जोधपुर में भी है।
→ नागणेची माता जोधपुर के राठौड़ों की कुलदेवी है।
गोगानवमी :-
→ गोगानवमी का प्रसिद्ध मेला बाड़मेर में लगता है।
→ गोगाजी को साँपों के देवता भी कहा जाता है।
→ गोगाजी को सर्पदंश रक्षक, गौरक्षक, जोहर पीर आदि
नामों से भी जाना जाता है।
आलमजी का धोरा नामक मेला बाड़मेर में लगता है।
→ इसे घोड़ों का तीर्थ स्थल कहा जाता है।
राणी भटियानी का मेला बाड़मेर में लगता है।
कोटड़ा का किला बाड़मेर में है।
बाड़मेर जिले की गुढ़ामलानी नामक तहसील में पाकिस्तान
तेल व गैस के भण्डार प्राप्त हुये हैं।
मंगला-1 भाग्यम, राणे वरी तेल के कुएँ बाड़मेर में हैं।
बाड़मेर जिले में नागणा पंचायत क्षेत्र के जोगासर गाँव में ब्रिटे
की कैयर्न एनर्जी कंपनी द्वारा मंगला-1 नाम के बड़े तेल भंडार खो
गये हैं।

www.resultuniraj.co.in